डॉ. श्यामसुन्दर दुबे के साहित्य में ग्राम्य-समाज

डॉ. अम्बिका प्रसाद पाण्डेय

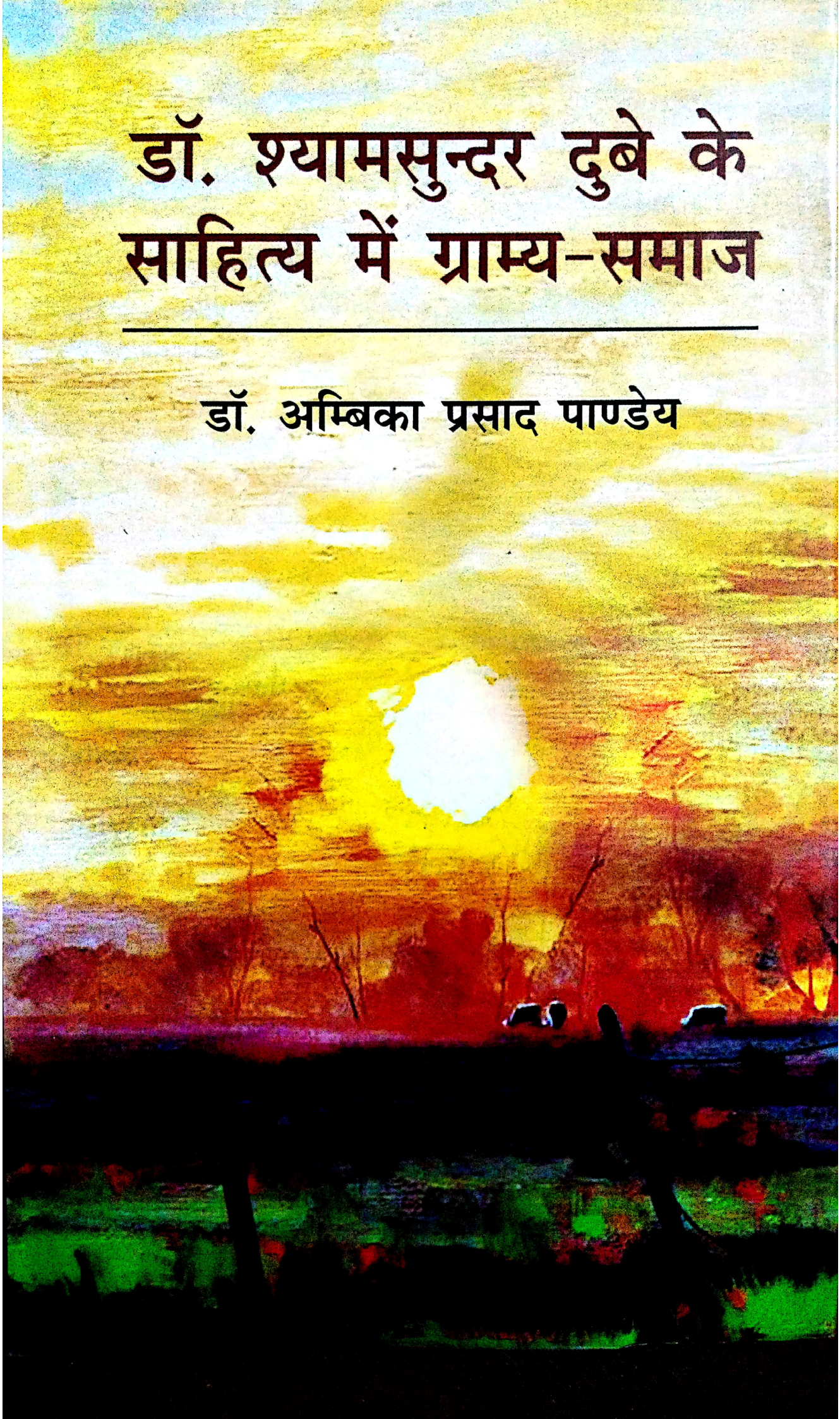

भारत की आत्मा उसके गाँवों में निवास करती है—इस तथ्य से हम सब परिचित हैं। भारत को आत्मा [illegible] को जानना [illegible] ग्राम्य-जीवन के [illegible] इस अवधारणा [illegible] प्रस्तुत करने [illegible] क्रियाओं को [illegible] चाहते हैं, तो [illegible] केन्द्र बनाकर रचे गये [illegible] अन्य स्रोत नहीं हो सकता। डॉ. श्याम सुंदर दुबे का समग्र रचना-कर्म ग्राम्य चेतना के इन्हीं आशयों को प्रकट करता है।

ललित निबंध, नवगीत, कथा और समीक्षा जैसी विधाओं में अपनी रचनात्मकता को अभिव्यक्त करने वाले डॉ. दुबे ने लोक जीवन पर केन्द्रित अनेक कृतियाँ प्रस्तुत की हैं। डॉ. दुबे का ग्राम्य जीवन से अत्यंत निकट का रिश्ता है। वे आज भी गाँव में निवास करते हैं, इसलिये उनकी रचना-दृष्टि ग्राम्य जीवन के असल सरोकारों की व्याख्याकार है।

लोकविद् डॉ. श्यामसुंदर दुबे का समग्र साहित्य ग्राम्य चेतना से ही संवेदित है। उनके साहित्य में प्राप्त इसी ग्राम्य चेतना का अनुशीलन डॉ. अम्बिका प्रसाद पाण्डेय ने प्रस्तुत कृति में अनेक अवधारणाओं के अंतर्गत किया है एक तरह से डॉ. पाण्डेय का यह शोधकार्य साहित्य और समाज की सहवर्ती अनुक्रियाओं का समाकलन है। डॉ. पाण्डेय का यह प्रमाणपुष्ट विवेचन जहाँ भारतीय ग्रामों की बदलती छवियों को अभिव्यक्त करता है—वहीं यह ग्राम्य अनुभवों की निर्मल निष्कृतियों का भी समाहारी आख्यान है। इस कृति की भाषा सर्व संवेद्य भाषा है। आशा है अपने पाठकों से यह कृति आत्मीय संवाद स्थापित करेगी।

डॉ. श्यामसुन्दर दुबे के साहित्य में ग्राम्य-समाज

डॉ. अम्बिका प्रसाद पाण्डेय

दीप प्रकाशन
दिल्ली-110032

दीप प्रकाशन
1/7342, नेहरू मार्ग
ईस्ट गोरख पार्क
शाहदरा, दिल्ली-110032
फोन : 011-22328044, 09868472375

©: लेखक
ISBN : 978-93-82555-10-0

मूल्य : 400.00 रुपये
प्रथम संस्करण : 2015
शब्द संयोजन : प्रिंस कम्प्यूटर्स, दिल्ली-09868462356
मुद्रक : कॉम्पैक्ट प्रिन्टर्स, नवीन शाहदरा, दिल्ली-110032

अनुक्रम

आमुख 7

अध्याय-एक

डॉ. श्यामसुन्दर दुबे की रचनात्मक के आधार-बिन्दु 13

(क) रचनाकार एवं परिवेश

1. रचनाकार के व्यक्तित्व की रेखाएँ
2. व्यक्तित्व के निर्मायक तत्व
3. व्यक्तित्व विकास के आधार एवं आयाम

(ख) रचनाकार का परिगत-परिवेश

1. बुंदेली के आसंग और रचनाकार
2. लोक-जीवन के मूल्यों का आधार एवं स्वरूप
3. लोक-जीवन और समकालीन चेतना

अध्याय-दो

डॉ. श्यामसुन्दर दुबे के रचनात्मक-विकास के आधार 42

(क) कृति-संसार की रूपरेखा एवं जीवन मूल्यों से आशय

1. कृति-परिचय
2. जीवन मूल्यों की अवधारणा
3. विषय-वस्तु एवं चरित्रों का चयन

(ख) ग्राम्य-समाज की अवधारणा

1. ग्राम्य-समाज का स्थापत्य एवं इतिहास
2. ग्राम्य-समाज का सामाजार्थिक आधार
3. ग्राम्य-समाज की सांस्कृतिक-चेतना

अध्याय-तीन

डॉ. श्यामसुन्दर दुबे के साहित्य में प्राप्त ग्राम्य-समाज 97

(क) सामाजिक आधार

1. समाज-संरचना का परिदृश्य-वर्ग, समूह, जाति, संबंध आदि
2. सांस्कृतिक चेतना का रूपायन-कला, आध्यात्म, मनोविनोद, तीज-त्यौहार, पर्व-उत्सव आदि
3. व्यक्ति-मानस का अभिव्यक्तिकरण : भाव और विचार

(ख) सामाजिक मूल्यों की भूमिका

1. सामाजिक मूल्य-चेतना के परंपरित आधार
2. सामाजिक मूल्य-चेतना के आधुनिक प्रतिमान
3. सामाजिक मूल्य-चेतना के विचलन-बिन्दु

अध्याय-चार

डॉ. श्यामसुन्दर दुबे के साहित्य में सामाजिक जीवन के आदर्श 125

(क) रचनाकार का वैचारिक परिप्रेक्ष्य

1. सामाजिक जीवन-मूल्यों के आदर्श
2. व्यक्ति मूल्यों के आदर्श
3. कला-मूल्यों के आदर्श

(ख) ग्राम्य-समाज का छवि-परिप्रेक्ष्य

1. ग्राम्य-समाज के प्राकृतिक बिम्ब
2. ग्राम्य-समाज के भूभौतिक पहचान चिन्ह
3. ग्राम्य-समाज के व्यक्ति-व्यक्तित्व के चिन्ह

अध्याय-पाँच

डॉ. श्यामसुन्दर दुबे के साहित्य में सामाजिक मूल्यों के परिवर्तन की वैचारिक निष्पत्तियाँ 150

(क) सामाजिक मूल्यों की परिवर्तन प्रक्रिया

1. साहित्य और समाज की अंतःक्रियाएँ
2. बदलते सामाजिक मूल्य और व्यवहार-चेतना
3. बदलते सामाजिक मूल्य और कला-चेतना

(ख) सामाजिक मूल्यों की गतिशीलता के आधार एवं अनुभव

1. सामाजिक मूल्यों के परिवर्तन के कारक
2. सामाजिक मूल्यों के परिवर्तन के संभावित परिणाम
3. सामाजिक मूल्यों के परिवर्तन का रचनात्मकता पर प्रभाव

अध्याय-छः

सीमाएं एवं संभावनाएं 173

परिशिष्ट 177

अ. आधार ग्रन्थों की सूची

ब. संदर्भ ग्रन्थों की सूची

डॉ. अम्बिका प्रसाद पाण्डेय

पिता : श्री दादू लाल पाण्डेय

माता : श्रीमती गौरा पाण्डेय

जन्म : 9 नवंबर 1976- चित्रकूट

शिक्षा : एम.ए., बी.एड., पी-एच.डी., एन.सी.सी.बी. सर्टीफिकेट

लेखन : विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में स्फुट लेखों एवं कविताओं का प्रकाशन

पुरस्कार : सरदार वलभ्भ भाई पटेल मेधा पुरस्कार

व्यवसाय : शिक्षा महाविद्यालय में प्रवक्ता के पद पर कार्यरत

पता : यमुनौत्री नगर
टी.सी.आई. चौराहा
मडोका रोड, डांडी, नैनी,
इलाहाबाद-2110088
मो. 09451371557

दीप प्रकाशन

1/7342, नेहरू मार्ग, ईस्ट गोरखपार्क
शाहदरा, दिल्ली-32

ISBN 978-93-82555-10-0